NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th

aglasem.com

Class : 9th
Subject : हिंदी
Chapter : 4
Chapter Name : माटी वाली

Q1 शहरवासी सिर्फ़ माटी वाली को नहीं, उसके कंटर को भी अच्छी तरह पहचानते हैं।' आपकी समझ से वे कौन से कारण रहे होंगे जिनके रहते 'माटी वाली ' को सब पाहचानते थे?
Answer:
शहरवासी माटी वाली तथा उनके कनस्तर को भली प्रकार से जानते थे क्योंकि माटी वाली की लाल मिट्टी हर घर की जरूरत थी जिससे चुल्हा-चौंका की पुताई की जाती थी । पूरे टिहरी शहर में केवल वही अकेली माटी वाली थी और कई सालों से उसके पास एक ही तरह का कंटर था। वह पिछले कई सालों से शहर की सेवा कर रही थी और सभी उसके ग्राहक थे। इसलिए स्वाभिक रूप से सभी लोग उसे जानते थे।

Page : 48 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q2 माटी वाली के पास अपने अच्छे या बुरे भाग्य के बारे में ज्यादा सोचने का समय क्यों नहीं था?
Answer:
अपने बुडढे का पेट पालना ही उसके सामने सबसे बड़ी समस्या थी। सुबह उठकर माटी खाने से माटी खोदना, दिन भर उस मिट्टी को बेचने इसी मे उसका सारा समय बीत जाता था। वह अपनी आर्थिक समस्याओं में उलझी रहती और निम्न स्तर का जीवन जीने वाली औरत थी । ऐसे में माटी वाली के पास अच्छे बुरे भाग्य के बारे में सोचने का समय नहीं था।

Page : 48 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q3 'भूख मीठी कि भोजन मीठा' से क्या अभिप्राय है?
Answer:
स्वाद भोजन में नहीं बल्कि इंसान को लगने वाली भूख में होता है। भूख होने पर रूखा -सूखा भोजन भी स्वादिष्ट लगता है क्योंकि भूख और भोजन का आपस में गहरा संबंध है। अगर भूख न हो तो स्वादिष्ट भोजन भी बे स्वाद लगता है।

Page : 48 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q4 'पुरखों की गाढ़ी कमाई से हासिल की गई चीज़ों को हराम के भाव बेचने को मेरा दिल गवाही नहीं देता।' - मालकिन के इस कथन के आलोक में विरासत के बारे में अपने विचार व्यक्त कीजिए।
Answer:
पुरखों की विरासत के पीछे उनकी भावना, उनकी यादें जुड़ी होती है। उन्होंने अनेक संघर्षों के बाद चीजों को बनाया होता है। इन वस्तुओं का मूल्य हम धन से नहीं आँक सकते अतः हम इनको कौडिंयों के दाम नहीं बेच सकते। कई लोग इन्हें बहुत कम कीमत पर बेच देते है जो अच्छी बात नहीं है। इस कहानी में घर की मालकिन के विचार वाकई में प्रशंसा योग है। जो पुरखों की वस्तुओं को संभाले हुए है।

Page : 48 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q5 माटी वाली का रोटियों का इस तरह हिसाब लगाना उसकी किस मजबूरी को प्रकट करता है?
Answer:
माटी वाली दिन भर मेहनत करने के बाद इतना नहीं कमा पाती थी वह अपना और अपने बीमार पति का पेट भर सके। माटीवाली का रोटियों का हिसाब लगाना उसकी मजबूरी, फटेहाली और गरीबी को दर्शाता है।

Page : 48 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q6 आज माटी वाली बुड्ढे को कोरी रोटियाँ नहीं देगी - इस कथन के आधार पर माटी वाली के हृदय के भावों को अपने शब्दों में लिखिए।
Answer:
शहर में जब माटीवाली को कोई रोटी देता था वह हिसाब लगा कर स्वंय खाती थी तथा बाकी बची रोटियाँ अपने बीमार बूढे पति के लिए रख लेती थी और उसे साग के साथ खिलाना अपने जीवन साथी के प्रति समर्पण ,अटूट प्रेम तथा निष्ठा के भावों को दर्शाता है। वह हर हाल में अपने पति को खुश देखना चाहती है और उसके स्वास्थ्य के प्रति चिंता करती है इससे उसके दया, वातसल्य और सहानुभूति भाव का पता चलता है।

Page : 48 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q7 'गरीब आदमी का श्मशान नहीं उजड़ना चाहिए।' इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।
Answer:
गरीब आदमी का श्मशान नहीं उजड़ना चाहिए - इस कथन का अर्थ है कि ग़रीबों की रोजी-रोटी का आसरा नहीं छीनना चाहिए । माटी काली जब अपने काम से घर लौटती है तो उसका पति मर चुका होता है। जब बांध के कारण सारे श्मशान पानी में डूब जाते है तो उसे अपने पति के अंतिम संस्कार की चिंता होती है। उसके लिए घर और श्मशान में कोई अंतर नहीं था। इसी दुःख के आवेश में कह यह वाक्य कहती है।

Page : 48 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q8 'विस्थापन की समस्या' पर एक अनुच्छेद लिखिए।
Answer:
विस्थापना का अर्थ है- किसी एक जगह पर बसे हुए लोगो को बल पूर्वक हटा देना। अतः वहाँ से निकाल देना । ऐसे लोगों के सामने घर और रोज़गार की समस्या उत्पन्न हो जाती है। आज सरकार विकास और प्रगति के लिए कई बार इन लोगों को वहां से हटाना पड़ता है। ऐसा नहीं है कि सरकार विस्थापितों को बसाने के लिए कोई कदम नहीं उठाती पर ये कदम उनके लिए पर्याप्त नहीं होते।

Page : 48 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

aglasem.com